तुलसी प्रज्ञा २००६ ०७ (फोल्डर नं. ०२४५५४)

सम्पादक

डॉ. शान्ता जैन (मुमुक्षु) – हिन्दी

डॉ. जगत राम भट्टाचार्य - अंग्रेजी

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

सापेक्षता और अनेकांत – विज्ञान और दर्शन – प्रो. दयानन्द भार्गव ---------- १

पुरुषार्थ सिद्धयुपाय में अहिंसा – विमर्श – प्रोफेसर प्रेम सुमन जैन ----------२१

नर – लोक से किन्नर – लोक तक – जतनलाल रामपुरिया ---------- ३३

सिद्धों के अनेक भेदों का प्रतिपादन – साध्वी श्रुतयशा---------- ४१

भगवती आराधना में निदान वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में – डॉ. पारसमल अग्रवाल ---------- ४७

तीर्थंकरों की मूर्तियों पर उकेरित चिह्न – डॉ. उमाकान्त पी. शाह ---------- ५६

कारण का स्वरुप – जैन दर्शन के परिप्रेक्ष्य में – सुश्री श्वेता जैन ---------- ६३

अपरिग्रह एवं उसका लोकोपकारी स्वरुप – सुमत जैन ---------- ७२

Acaranga – Bhasyam – Acarya Mahaprajna---------- 81

Specialized Functions – Dr. J. P. N. Mishra and Dr. M. K. Singh ---------- 91

Jain Business Ethics – Samani Shashi Prajna ---------- 103

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org